

ज. भारत माझी देशों को अनावृत्त वीक्षण 'मोट' के नाम के लिए
लोचिनाम के राजा पितापुत्र II ने 1876 ई. में
भाषीयन जिहा मोट अंतराष्ट्रीय संस्था की स्थापना
में यूरोपीय देशों के साथ भाषी विवादों का शांतिपूर्ण
राजे ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था की के चुनाव सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूमी के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूमी को आपा-भाँट में जॉर्ज ननाव के कई भक्तों पैदा हुए लेकिन कोई बड़ा उत्पाद नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूक्षेत्रों में वितरण

श्रौत \Rightarrow अल्पीत्या, मोरम्, धूमिल, भाइवी नाल भादि
इत्येवं \Rightarrow मिल मरु की

इलेक्ट्रॉन → मिल, ध्वनि, दृष्टि, गंध, स्वाद, शक्ति, ताप, प्रकाश

અમંતી = ઔમલન, હોમલન, પુનાપ, ગાંધી મંડ

कुल्लुआल = कुल्लुआल, पूवी मोजाविक